



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 372]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 21, 2008/आश्विन 29, 1930

No. 372]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 21, 2008/ASVINA 29, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत अधिसूचना

10/10/08

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 2008

10/10/08

**विषय :** चीन जन. गण. और थाईलैण्ड के मूल के या वहां से निर्यातित बस और ट्रक के रेडियल टायरों के अग्रियों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत

फा. सं. 14/17/2008-डीजीएडी.—चूंकि ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) (जिसे एतद्वारा आवेदक कहा गया है) ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्वारा अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्वारा नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतद्वारा प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन. गण. और थाईलैण्ड (जिन्हें एतद्वारा "संबद्ध देश" कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित (ट्रकों सहित बसों और लॉरियों में प्रयुक्त खड़ के द्यूब और फ्लैप सहित अथवा रहित (द्यूब टाइप या द्यूब रहित, दोनों प्रकार के) नए/अप्रयुक्त न्यूमैटिक रेडियल टायरों के पाटन का आरोप लगाया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

और, चूंकि प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पर्याप्त प्रथमदृष्टया साक्ष्य विद्यमान है, अतः, प्राधिकारी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने जिसे यदि लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार में कथित पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की एतद्वारा जांच शुरू करते हैं।

## 1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद चीन और थाईलैण्ड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "बसों और लॉरी (ट्रकों सहित) में प्रयुक्त खड़ के द्यूब तथा फ्लैप सहित या रहित (द्यूब टायर या द्यूब रहित दोनों प्रकार के) नए/अप्रयुक्त न्यूमैटिक रेडियल टायर हैं", जिसे एतद्वारा "संबद्ध उत्पाद" या "टायर" या "टायर सेट" या टीबीआर कहा गया है। उत्पाद के क्षेत्र विस्तार में केवल सीमाशुल्क के

अध्याय 40 के उपशीर्ष सं. 40112010 (टायर), 40131020 (ट्यूब) तथा 40129049 (फ्लैप) में वर्गीकृत बसों तथा लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त रेडियल टायर हैं।

एक टायर सेट में सामान्यतः एक टायर, एक ट्यूब और एक फ्लैप होता है। बाजार की शब्दावली में 'टीटीएफ' (टायर + ट्यूब + फ्लैप) शब्द टायर सेट के अर्थ के रूप में प्रचलित है। टायरों का मोटे तौर पर उत्पादन दो प्रकारों अर्थात् रेडियल और गैर-रेडियल में किया जाता है। ट्रकों और बसों में प्रयुक्त गैर-रेडियल और बायस टाइप के टायरों को डायगनल प्लाई या क्रॉस प्लाई टायरों के रूप में भी जाना जाता है और ये इस जांच में संबद्ध उत्पाद के दायरे में नहीं आते हैं।

विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 40 के अंतर्गत रखे और इसके उत्पादों की श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत है। टायर, ट्यूब और फ्लैप को अध्याय 40 के अंतर्गत एक एकल उप शीर्ष के अधीन संयुक्त रूप से वर्गीकृत नहीं किया जाता है। टायर, सीमा शुल्क उप शीर्ष सं. 40112090 के अंतर्गत आते हैं; ट्यूब, सीमा शुल्क उप शीर्ष सं. 40131020 और फ्लैप, सीमा शुल्क उप शीर्ष सं. 40139049 के अंतर्गत आती हैं।

## 2. घरेलू उद्योग का आधार

वर्तमान याचिका ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) द्वारा दायर की गयी है। एटीएमए के तीन सदस्य अपोलो टायर्स लि., जे. के. टायर इंडस्ट्रीज लि. तथा एमआरएफ लि. द्वारा समस्त संगत सूचना उपलब्ध करवाकर वर्तमान याचिका में भागीदारी की जा रही है। एटीएमए के इन तीनों सदस्यों का उत्पादन संबद्ध उत्पाद के भारतीय उत्पादन का 100% बनता है।

उपर्युक्त जांच के बाद प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि आवेदक नियम 2 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं और आवेदन में उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार आधार संबंधी मानदंड की पूर्ति होती है।

## 3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन (जिसे चीन जन. गण. भी कहा गया है) और थाईलैंड हैं।

## 4. समान वस्तु

आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं में कोई विशेष अंतर नहीं है। इस उत्पाद का आयात आयातकों और उपभोक्ताओं द्वारा किया जा रहा है। उपभोक्ताओं द्वारा घरेलू एवं आयातित उत्पाद का उपयोग अदल-बदल कर किया जा रहा है। आवेदक का दावा है कि दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य विशेषताओं के रूप में समान रूप हैं और इस प्रकार ये नियमावली के अर्थ के भीतर समान

वस्तुएं हैं। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा उत्पादित वस्तु को उपर्युक्त नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

## 5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जनगण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला व्यवहार दिया जाना चाहिए और सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने भारत को एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश मानने का प्रस्ताव किया है। तथापि प्राधिकारी ने जांच शुरुआत के चरण पर बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा लाभ के लिए विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत पर विचार किया है जिसे सामान्य मूल्य का आधार माना है। चीन के अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अय्यारणा का खण्डन किया जा सकता है और प्राधिकारी द्वारा संगत नियमों के अनुसार अलग-अलग निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच की जाएगी। थाइलैंड के संबंध में आवेदक ने थाइलैंड में समान वस्तु की कीमत के बारे में साक्ष्य प्रस्तुत किया है। चूंकि थाइलैंड में सामान्य मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य अधिक पाया गया है इसलिए इस चरण पर सामान्य मूल्य पर सीएनवी थाइलैंड के आधार पर विचार किया गया है।

## 6. निर्यात कीमत

संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एंड एस/इफो ड्राइव इंडिया प्रा. लि. से एकत्र किए गए सौदे-वार आयात आंकड़ों पर विचार करके किया गया है। समुद्री माफे, समुद्री बीमा तथा पत्तन हैंडलिंग प्रभारों के लिए समायोजन कारखाना निर्यात कीमत निकालने के प्रयोजनार्थ किए गए हैं।

## 7. पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना कारखाने स्तर पर की गई है जिससे संबद्ध देशों के संबंध में अत्यधिक पाटन मार्जिन का पता चलता है। इस बात का पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध है कि चीन जन. गण. और थाइलैंड में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का भारतीय बाजार में पाटन किया जा रहा है।

## 8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता ने वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंडों के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पूर्व में उद्योग को देश में माँग की कमी के कारण घाटा हुआ है। परिणामतः घरेलू उद्योग अत्यधिक घाटे पर उत्पादक निर्यात करने के लिए बाध्य हुआ था। इसके साथ-साथ उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद के बारे में जागरूकता पैदा करने और माँग को बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए गए थे। धीरे-धीरे उत्पाद की माँग में वृद्धि हुई और परिणामतः निर्यातों में गिरावट आई। तथापि, जैसे-जैसे उत्पाद की माँग बढ़ रही है और उत्पाद देश में अपनी पहचान बना रहा है और घरेलू उद्योग की बिक्री में कुछ हद तक वृद्धि हुई है वैसे ही घरेलू उद्योग बाजार हिस्से, संबंधित माल सूचियों,

सतत घाटे, ईष्टतम से कम क्षमता उपयोग, निवेश पर आय और नकद प्रवाह में कमी का सामना कर रहा है। आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि, अत्यधिक कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री जिससे कीमत ह्रास, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्से में गिरावट, सतत वित्तीय घाटे, निवेश पर आय, नकद प्रवाह, माल सूची जैसे मानदण्डों से सामूहिक और संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। याचिकाकर्ता ने अनेक देशों को चीन से आयातों में पर्याप्त वृद्धि, कीमत कटौती, पर्याप्त निर्यातों, चीन के वैश्विक निर्यातों में भारत के हिस्से में वृद्धि के कारण वास्तविक क्षति के खतरे का भी दावा किया है। इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को प्रथम दृष्टया वास्तविक क्षति हो रही है।

### 9. पाटनरोधी जांच की शुरुआत

पूर्वोक्त पैराग्राफों को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव की पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं।

### 10. जांच अवधि

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि अप्रैल, 2007 से मार्च, 2008 तक की है। तथापि, क्षति जांच अवधि में वर्ष 2004-05, 2005-06, 2006-07 की अवधि और जांच अवधि शामिल होगी।

### 11. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देशों के निर्यातकों और भारत में उनके दूतावास के माध्यम से उनकी सरकारों, भारत में ज्ञात संबद्ध आयातकों एवं प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को संबंधित सूचना निर्धारित प्रारूप में और निर्धारित ढंग से प्रस्तुत करने और अपने विचारों से निम्नलिखित को अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है :-

**निर्दिष्ट प्राधिकारी**  
**पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय**  
**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय**  
**वाणिज्य विभाग**  
**भारत सरकार**  
**कमरा नं. 240, उद्योग भवन**  
**नई दिल्ली-110107**

उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांचाधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं और उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों को अवसर भी प्रदान किया जा रहा है जो पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच से संगत सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी नीचे निर्धारित समय सीमा के भीतर तथा निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से जांच से संगत सूचना प्रस्तुत कर सकता है।

**12. समय सीमा****क) सामान्य समय सीमा**

वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में प्रस्तुत की जानी चाहिए ताकि वह निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राप्त हो जाए। तथापि जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है उनके लिए अलग से उन्हें लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों की अवधि के भीतर सूचना प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

**ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन हेतु विशिष्ट समय सीमा**

जांच से संबंधित हितबद्ध पक्ष दक्षिण अफ्रीका की उपयुक्तता के बारे में टिप्पणी प्रस्तुत कर सकते हैं जिसे चीन जन. गण. के संबंध में सामान्य मूल्य की पुष्टि के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना गया है। ये टिप्पणियाँ इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत की जानी चाहिए।

**13. सूचना प्रस्तुत करना :**

नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों से अपेक्षित है कि वे प्राधिकारी को प्रदत्त गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करें और यदि ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश नहीं बनाया जा सकता हो, तो उसके कारणों का विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है। ऐसे मामले में, जहाँ कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने से मना करता है अथवा अन्यथा उचित अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं करता अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केंद्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं जिन्हें वे उपयुक्त समझते हों।

**14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण :**

नियम 6(7) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक फाइल रखते हैं। कोई भी हितबद्ध पक्ष अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

4044 GI/08-2

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 21st October, 2008

Subject: Initiation of Anti-dumping investigation concerning imports of Bus & Truck Radial Tyres originating in or exported from China PR and Thailand.

F.No.14/17/2008-DGAD.— Whereas Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA) (herein after referred to as applicant) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (herein after referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of New/Unused Pneumatic Radial Tyres, with or without Tubes and Flaps of rubber used in buses and lorries (including trucks) (both tube type or tubeless) (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from China PR and Thailand (herein after referred to as "subject country") and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

AND WHEREAS, the Authority finds sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject Country, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

The product under consideration in the present petition is **"New/ Unused Pneumatic Radial Tyres, with or without Tubes and Flaps of rubber used in buses and lorries (including trucks) (both tube type or tubeless)"** originating in or exported from China PR and Thailand, hereinafter referred as "subject product" or "Tyres" or "Tyre Set" or TBR. The scope of the product includes only **radial used in buses and lorries/trucks**, classified in Chapter 40 under customs subheading no. 40112010(tyres), 40131020( tubes) & 40129049(flaps).

A tyre set generally comprises of one Tyre, one Tube and one Flap. In the market parlance the term "TTF" (Tyre+Tube+ Flap) is prevalent to denote tyre set. Tyres are broadly produced in two types, namely radial and non-radial. Non-radial or bias type used

in trucks and bus also known as diagonal ply or cross ply tyres is beyond the scope of the subject product in this investigation.

## **2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING**

The present petition has been filed by Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA). Three ATMA members, Apollo Tyres Ltd., J. K. Tyre Industries Ltd. and MRF Ltd. are participating in the present petition by providing all the relevant information. Production by these three ATMA members is 100% of Indian production of the subject product.

The Authority, after examining the above, determines that the applicant constitutes domestic Industry within the meaning of the Rule 2 and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

## **3. COUNTRIES INVOLVED**

The country involved in the present investigation is People's Republic of China (also referred to as China PR) and Thailand.

## **4. LIKE ARTICLE**

The applicant has claimed that there is no difference in the subject good produced by the domestic industry and the subject product imported from the subject Country. The product is being imported by the importers and consumers. The consumers are using the domestic and imported product interchangeably. Applicant has claimed that the two are technically and commercially substitutable. The products produced by the domestic industry and imported from the subject Country are identical in terms of essential characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process, technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods, and therefore, are like articles within the meaning of the terms under the Rules. For the purpose of the present investigation, the product produced by the applicant is being treated as like article to the product imported from the subject country within the meaning of the Rules supra.

## **5. NORMAL VALUE**

The petitioner has claimed that China PR should be treated as non-market economy and normal value should be determined in accordance with Para 7 of Annexure I of the Anti Dumping Rules. Petitioner has proposed India as an appropriate market economy third country. The Authority at the stage of initiation, has however considered cost of production in India, duly adjusted, for selling, general and administrative costs and profit as the basis of normal value. Individual Chinese exporters may rebut this presumption and the Authority shall examine the market economy claims of individual exporters in terms of the relevant Rules. In respect of Thailand, the applicant has submitted evidence regarding prices of like article in Thailand. Since the normal value based on the normal value in Thailand has been found to be higher, at this stage normal value has been considered based upon CNV. Thailand

## 6. EXPORT PRICE

Export price of the subject goods from the subject Country has been determined by considering transaction-wise import data collected from DGCI&S / Info Drive India Pvt. Ltd. Adjustments have been made on account of ocean freight, marine insurance, and port handling charges to arrive at ex-factory export price.

## 7. DUMPING MARGIN

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of the subject countries. There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in China PR and Thailand is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from subject countries into the Indian market.

## 8. INJURY AND CAUSAL LINK

The petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury. Petitioner has claimed that the industry earlier suffered due to lack of demand in the Country. Resultantly, the domestic industry was forced to export the product at significant losses. Simultaneously, lot of efforts was made by the industry in creating awareness and demand for the product under consideration. Gradually, the demand for the product increased and resultantly exports have declined. However, as the demand for the product is getting created and the product is getting established in the Country, even though sales of the domestic industry increased to some extent, the domestic industry was faced with loss of market share, increased inventories, continued losses, sub-optimal capacity utilization, return on investments and cash flow. Parameters such as significant increase in imports in absolute terms as also relative to production and consumption in India, significant price undercutting, price underselling leading to price suppression, capacity utilization, market share, continued financial losses, return on investments, cash flow, inventories, collectively and cumulatively show that domestic industry has suffered material injury. Petitioner has also claimed threat of material injury on the basis of significant increase in imports, price undercutting, significant exports from China to a number of countries, increasing share of India in China's global exports. There is sufficient evidence that the dumped imports of subject goods from China PR are, prima facie, causing material injury to the domestic industry.

## 9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject Country.

## 10. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)



The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is April 2007 to March 2008. The injury investigation period will, however, cover the period 2004-05, 2005-06, 2006-07 and the POI.

## 11. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject Country, their Government through the Embassy, the importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

The Designated Authority  
Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,  
Ministry of Commerce & Industry,  
Department of Commerce,  
Government of India,  
Room No. 240, Udyog Bhavan,  
New Delhi - 110107.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations, who can furnish information relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

## 12. TIME LIMIT

### a) General Time Limits

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately.

### b) Specific time limit for selection of market economy third country

Interested parties to the investigation may wish to comment on the appropriateness of South Africa which is envisaged as a market economy third country for the purpose of establishing normal value in respect of China PR. These comments must be submitted within two weeks from the date of publication of this notification.

## 13. SUBMISSION OF INFORMATION

In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

#### **14. INSPECTION OF PUBLIC FILE**

In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by interested parties.

R. GOPALAN, Designated Authority